an>

Title: Regarding reservation to the Marathi community in education and job.

श्री धनंजय महाडीक (कोल्हापुर): अध्यक्ष महोदया, आपने मुझे शून्य काल में बोलने का मौका दिया, उसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। पिछले दिनों महाराÂष्ट्र के सभी जिलों में मराठा समाज के लोगों ने बहुत बड़े पैमाने पर मोर्चे निकाले थे। इसकी वजह यह थी कि कोपर्टी नामक गांव में एक युवती के साथ बहुत बुरी तरह से अत्याचार हुआ और उसकी हत्या कर दी गयी थी। वह प्रोटेस्ट उसी विÂाय पर था।

अध्यक्ष महोदया, आपने देखा होगा कि हरियाणा, गुजरात में जब भी किसी समाज के माध्यम से प्रोटेस्ट हुआ, तो वहां बहुत बड़े पैमाने पर लाखों-करोड़ों रुपये का नुकसान हुआ था। लेकिन महाराÂष्ट्र में तकरीबन सब जिलों में जो मोर्चे निकले, उसमें न कोई नारा था, न कोई घोÂाणा थी और न कोई म्यूजिकल इंस्ट्रूमैंट था। वहां बहुत अच्छी तरह से एक पीसफुल प्रोटेस्ट इन लोगों ने किया था।

मैं मराठा समाज की ओर से केन्द्र सरकार से मांग करना चाहता हूं कि इसकी वजह यह है कि ज्यादातर मराठा कम्युनिटी के लोग किसान हैं, जिनके पास बहुत कम जमीन है। वे अपनी बच्चों को पढ़ा नहीं पाते और न ही इन्हें जॉब में कोई आरक्षण प्राप्त है। हमारी मांग है कि इन लोगों को आरक्षण मिलना चाहिए। मैं उदाहरण देना चाहूंगा कि फार्मेसी में मराठा समाज के एक युवक/युवती को 17 हजार रुपये फीस देनी पड़ती है, जबकि अन्य समाज के युवक/युवती को दो हजार रुपये फीस देनी पड़ती है। यह बहुत इम्बैलेंस है। यदि हम अपने बच्चों को पढ़ाना चाहते हैं, तो नौकरियों और स्कूल-कालेजों में मराठा समाज के बच्चों को आरक्षण मिले, यह मेरी आपसे मांग है। धन्यवाद।